विचार प्रवाह

राखी का दिन एक है, रिश्ते की जरूरत हर दिन

राखी को हम भाई-बहन के स्नेह का त्योहार कहते हैं, लेकिन इससे जुड़ी 'रक्षा' की धारणा पर ठहरकर सोचने की जरूरत है। बहन कलाई पर धागा बाँधती है और भाई उसकी रक्षा का वचन देता है। पर जीवन की सच्चाई इससे कहीं व्यापक है। कोई धागा न महँगाई रोक सकता है, न नौकरी की चिंता मिटा सकता है, न कठिन समय में साथ खड़ा हो सकता है। असली सुरक्षा रस्म से नहीं, व्यवहार से मिलती है। फिर भी यह परंपरा हर साल दोहराई जाती है, क्योंकि रिश्तों में कुछ भाव तर्क से नहीं, स्मृतियों और परंपराओं से जीवित रहते हैं। सवाल बस इतना है–आज हमारे जीवन में इस परंपरा का अर्थ कितना बचा है?

समय के साथ राखी भी बदल गई है। कभी सादा सूती धागा ही पर्याप्त था, आज बाजार में चमकदार, क्रिस्टल और रोशनी वाली राखियों से लेकर वर्चुअल राखी तक मौजूद है। बाजार ने भावनाओं को भी सजाकर बेचने का हुनर सीख लिया है। बहन राखी खरीदती है, भाई उपहार देता है और रस्म पूरी हो जाती है। इसमें बुराई नहीं, पर जब महँगी वस्तु प्रेम की कसौटी बन जाए, तब रिश्ते का अर्थ खोने लगता है। आखिर रिश्तों का मोल राखी की कीमत से नहीं, उसमें बँधे अपनत्व से तय होता है। सादा धागा भी उतना ही अनमोल है, यदि उसमें स्नेह जीवित हो।

राखी के साथ जुड़ी 'भाई रक्षक, बहन संरक्षित' की धारणा अब उतनी सहज नहीं रही। आज बहनें पढ़ती हैं, नौकरी करती हैं, कारोबार सँभालती हैं और परिवार के बड़े फैसलों में बराबर की भागीदार हैं। कई बार वही भाई की मुश्किल में ढाल बनती हैं–पैसे, सलाह और जिम्मेदारी, हर मोर्चे पर। ऐसे में केवल भाई द्वारा बहन की रक्षा का वचन रिश्ते की पूरी तस्वीर नहीं दिखाता। भाई का साथ जरूरी है, तो बहन का सहारा भी उतना ही मूल्यवान है। दोनों एक-दूसरे की ताकत हैं। राखी का अर्थ भी इसी पारस्परिक सहारे और बराबरी तक पहुँचना शायद समय की सबसे स्वाभाविक पुकार है।

राखी का सार्वजनिक और राजनीतिक इस्तेमाल अब आम हो चुका है। नेता महिलाओं से राखी बँधवाकर सुरक्षा का वादा करते हैं; तस्वीरें खिंचती हैं, खबरें बनती हैं और कुछ समय के लिए गंभीरता का आभास भी होता है। लेकिन महिला की सुरक्षा किसी समारोह की मोहताज नहीं–उसे कानून, व्यवस्था, सम्मान और रोजमर्रा के आचरण का सहारा चाहिए। कलाई पर बँधा धागा तभी अर्थवान है, जब उससे जुड़ा वादा व्यवहार में उतरे। केवल रस्म निभा लेने से जिम्मेदारी पूरी नहीं होती। जब परंपरा प्रदर्शन बन जाती है, तो उसका भाव गहरा होने के बजाय कई बार खोखला पड़ जाता है।

आज की बहन से यह कहना कि उसे हर समय किसी पुरुष की सुरक्षा चाहिए, उसके बदलते जीवन को नकारना है। आत्मनिर्भरता भी सुरक्षा की एक मजबूत जमीन है। इसका अर्थ भाई की जरूरत खत्म होना नहीं, बल्कि रिश्ते को एकतरफा संरक्षण से आगे ले जाना है। भाई बहन के फैसलों का सम्मान करे और बहन भी भाई की मुश्किलों में उसके साथ खड़ी हो–यही रिश्ते की असली बराबरी है। इसलिए जब बहन हँसते हुए कहती है, ‘अब तुम्हारी रक्षा मेरी जिम्मेदारी है,’ तो इस मजाक में गहरी सच्चाई छिपी है। रिश्ता तभी मजबूत होता है, जब चिंता और सहारा दोनों तरफ से हों। परंपरा का बदलना, उसका मिटना नहीं; उसे समय के साथ नया अर्थ देना है।

दूरियों ने राखी का रूप बदल दिया है। अब राखी डाक से, उपहार ऑनलाइन, पैसे यूपीआई से और त्योहार वीडियो कॉल पर मनाया जाता है। तकनीक ने फासलों के बावजूद रस्म निभाना आसान कर दिया है। अपनापन घटा या बढ़ा, इसका कोई सीधा हिसाब नहीं। स्क्रीन पर हुई बातचीत भी आत्मीय हो सकती है, बशर्ते रिश्ते में गर्माहट हो। मगर कई बार राखी संदेश, लेन-देन और औपचारिकता तक सिमट जाती है। समय की कमी ने रस्मों पर निर्भरता बढ़ाई है, पर याद रहे–रस्म दूरी पाट सकती है, रिश्ता नहीं बना सकती।

शायद राखी की सबसे सच्ची तस्वीर उस एक दिन में दिखती है, जब भाई-बहन पुरानी नाराजगियाँ कुछ देर किनारे रख देते हैं। सालभर संपत्ति, जिम्मेदारियों, पैसों और पारिवारिक मतभेदों से मनमुटाव हो सकता है, फिर भी राखी पर वही लोग साथ बैठते हैं, मिठाई बाँटते हैं और पुरानी बातों पर हँस लेते हैं। यह कोई स्थायी समाधान नहीं, लेकिन रिश्ते को टूटने से बचाने वाली एक छोटी कोशिश जरूर है। इसलिए राखी केवल रिश्ते की मजबूती का प्रमाण नहीं, बल्कि यह याद भी है कि संबंधों को समय-समय पर संवाद, स्मृति और क्षमा की जरूरत होती है। कलाई का धागा इसी जरूरत की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति है।

शायद राखी की असली खूबसूरती किसी एक वचन में नहीं, उस एहसास में है कि जीवन चाहे जितनी दूरियाँ और मुश्किलें सामने रखे, भाई-बहन एक-दूसरे के लिए बने रहें। बहन को कमजोर समझकर सुरक्षा देना और भाई को केवल रक्षक मान लेना, इस रिश्ते को छोटा कर देता है। सच्चा रिश्ता वह है जिसमें दोनों अपने फैसलों और जीवन में स्वतंत्र हों, फिर भी एक-दूसरे की जरूरत को बिना कहे समझें और कठिन समय में साथ खड़े हों। यही राखी की डोर का गहरा अर्थ है–कलाई पर बँधा छोटा-सा धागा, जो याद दिलाता है कि रिश्ते सुरक्षा के वादों से नहीं, उस भरोसे से मजबूत होते हैं जो मुश्किल वक्त में हाथ थाम लेता है।

कृति आरके जैन
शिक्षाविद् बड़वानी (मप्र)

शासकीय महाविद्यालयों की दुर्दशा पर अभाविप का प्रदेशव्यापी 'हुंकार अभियान'

मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर उच्च शिक्षा मंत्री के नाम डिप्टी कलेक्टर को सौंपा गया ज्ञापन

झाबुआ। शासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् द्वारा आज प्रविद्यार्थी हुंकार अभियानप्र के अंतर्गत प्रदेशव्यापी प्रदर्शन किया गया। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अभाविप के कार्यकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने प्रदर्शन कर जिला कलेक्टरों के माध्यम से उच्च शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और शासकीय महाविद्यालयों में व्याप्त मूलभूत समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की।

इसी क्रम में आज झाबुआ जिले में भी सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थियों ने मार्च निकालकर कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा ।

अभाविप ने कहा कि प्रदेश के अनेक शासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थी स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त एवं स्वच्छ शौचालय, व्यवस्थित कक्षाओं, पर्याप्त फर्नीचर, बिजली एवं प्रकाश व्यवस्था, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, खेल सुविधाओं, छात्राओं के लिए आवश्यक सुविधाओं, इंटरनेट, पार्किंग, सुरक्षा एवं प्राथमिक उपचार जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव का सामना कर रहे हैं। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए इन समस्याओं का तत्काल समाधान आवश्यक है। अभाविप ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि सरकार

प्रदेश के सभी शासकीय महाविद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का तत्काल सर्वे कराते हुए ठोस आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करे एवं उन व्यवस्थाओं को सुचारू किया जाए तथा जिन कार्यों के लिए बजट की आवश्यकता है, उनके लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर आवश्यक बजट उपलब्ध कराया जाए। परिषद् के मालवा प्रांत मंत्री दर्शन कहार ने कहा कि महाविद्यालय शिक्षा का मंदिर है, लेकिन वहां की स्थिति दयनीय है। विद्यार्थियों को मिलने वाली मूलभूत सुविधा भी नहीं मिल पा रहीं। विद्यार्थी हुंकार के माध्यम से सरकार को अवगत करवाना चाहते है कि गुणवत्ता युक्त शिक्षा एवं स्वस्थ परिसर के लिए सरकार ध्यान दे एवं विद्यार्थियों की मूलभूत सुविधाएं त्वरितता से उपलब्ध करवाएं।

समस्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं -

अभाविप के जिला संयोजक अमित चौहान ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने शासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को होने वाली मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं को लेकर यह ज्ञापन सौंपा है। हमारी मांग है कि स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता गृह, बेहतर कक्षाएं, पुस्तकालय, खेल, सुरक्षा, इंटरनेट और कैंटीन जैसी आवश्यक सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही विवेकानंद करियर गाइडेंस सेल को पुनः सक्रिय किया जाए। विद्यार्थियों के हित में प्रशासन इन मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई करे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का यह विद्यार्थी हुंकार अभियान इस प्रदर्शन से प्रारंभ हुआ है। आने वाले समय में विभिन्न रचनात्मक एवं आंदोलनात्मक माध्यमों से मांगों के पूर्ण होने तक अभाविप का यह अभियान जारी रहेगा ।

10 अवैध हस्तनिर्मित पिस्टल के साथ आरोपी गिरफ्तार

सिकलीगर से हथियार खरीदकर ला रहा था आरोपी, प्लेटिना बाइक सहित करीब 2.50 लाख रुपए का माल जब्त

भीकनगांव पियूष अग्रवाल इंदौर समाचार भीकनगांव। थाना चैनपुर पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 10 हस्तनिर्मित पिस्टल बरामद की हैं। पुलिस ने हथियारों की कीमत करीब 2 लाख रुपए तथा परिवहन में प्रयुक्त प्लेटिना मोटरसाइकिल की कीमत करीब 50 हजार रुपए आंकी है।

पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम शक्करखेड़ी निवासी रूपेश प्लेटिना मोटरसाइकिल से अवैध हथियार खरीदकर कठोड़ा रोड से झिरन्या की ओर आने वाला है।

सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक गणपत कनेल के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर कार्रवाई के लिए रवाना की गई।

पुलिस टीम ने करानिया फाटा पहुंचकर घेराबंदी की। कुछ देर बाद मुखबिर के बताए हुलिए के अनुसार एक व्यक्ति प्लेटिना मोटरसाइकिल पर झोला रखकर आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की। आरोपी ने अपना नाम रूपेश निवासी ग्राम शक्करखेड़ी बताया।

उसके पास रखे झोले की तलाशी लेने पर उसमें 10 हस्तनिर्मित पिस्टल मिलीं। हथियारों के संबंध में लाइसेंस या दस्तावेज मांगने पर आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 10 हस्तनिर्मित पिस्टल एवं परिवहन में प्रयुक्त प्लेटिना मोटरसाइकिल को विधिवत जब्त कर आरोपी के खिलाफ थाना चैनपुर में अपराध क्रमांक 264/26, धारा 25(1) आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है।

पुलिस रिमांड लेकर होगी पूछताछ

गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस द्वारा रिमांड प्राप्त कर उससे अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त और हथियार उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जाएगी। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ वर्ष 2024 में भी भीकनगांव थाने में आर्म्स एक्ट का प्रकरण दर्ज पाया गया है।

इनकी रही भूमिका

कार्रवाई एसडीओपी भीकनगांव केतन अडलक के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक गणपत कनेल के नेतृत्व में की गई।

टीम में उनि अमित पांवर, उनि रमेश चंद्र गहलोद, प्रआर दिनेश मंडलोई, आर चंद्रप्रताप, आर शैलेश, आर मनोज मुजालदे, आर भूपेन्द्र राजपूत एवं आर राजू मेहता का सहयोग रहा।

पूर्व पार्षद निज़ाम बाबा बने खरगोन जिलाध्यक्ष

इंदौर समाचार सेवकराम चौबे कसरावद खरगोन मध्यप्रदेश अल्पसंख्यक विकास कमेटी के सरपरस्त विधायक आरिफ मसूद की सहमति से कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष रियाज़ुद्दीन शेख साहब ने पूर्व पार्षद निज़ाम बाबा कसरावद को अल्पसंख्यक विकास कमेटी का खरगोन जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रदेशाध्यक्ष रियाज़ुद्दीन शेख द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में निज़ाम बाबा को संगठन को मजबूत करने, अल्पसंख्यक समाज के उत्थान के लिए सक्रियता से कार्य करने तथा शिक्षा एवं सामाजिक विकास के क्षेत्र में प्रभावी भूमिका निभाने की जिम्मेदारी दी गई है। नियुक्ति पत्र में उम्मीद जताई गई है कि निज़ाम बाबा अपनी सक्रियता के साथ अल्पसंख्यक समाज को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने, शिक्षा एवं सामाजिक विकास के लिए प्रचार-प्रसार करने तथा संगठन को जिले में और अधिक मजबूत बनाने के लिए सतत प्रयास करेंगे। निज़ाम बाबा की नियुक्ति पर अल्पसंख्यक विकास कमेटी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समाजजनों ने उन्हें दिल से मुबारकबाद पेश की और नई जिम्मेदारी के लिए नेक ख्वाहिशात जाहिर की। प्रदेशाध्यक्ष रियाज़ुद्दीन शेख ने कहा कि निज़ाम बाबा के अनुभव और सक्रियता से कमेटी को खरगोन जिले में नई मजबूती मिलेगी और अल्पसंख्यक समाज के हक़ एवं विकास के लिए संगठन और अधिक प्रभावी ढंग से काम करेगा।

कलेक्टर ने चित्तौड़-भुसावल नेशनल हाईवे के ब्लैक स्पॉट का किया निरीक्षण

भीलगांव, पानवा और निमरानी के ब्लैक स्पॉट पर सुधार कार्य जल्द शुरू करने के निर्देश

इंदौर समाचार सेवकराम चौबे कसरावद खरगोन कलेक्टर गुरु प्रसाद ने गुरुवार को चित्तौड़-भुसावल नेशनल हाईवे पर स्थित ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने भीलगांव, पानवा एवं निमरानी के ब्लैक स्पॉट का मौके पर जायजा लेकर सड़क सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों में आवश्यक सुधार कार्य जल्द कराने के निर्देश दिए। उन्होंने

दुर्घटना संभावित स्थानों पर सुरक्षा उपायों को प्रभावी बनाने तथा वाहन चालकों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्रवाई करने पर जोर दिया।

इसके बाद कलेक्टर ने औद्योगिक क्षेत्र निमरानी में मैकल ग्रीन कंपनी एवं अडानी कंपनी का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र से संबंधित व्यवस्थाओं और आवश्यक बिंदुओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान कसरावद एसडीएम अनिल जैन, तहसीलदार मुकेश मचार, जनपद सीईओ रीना किराड़े, एनएचएआई मेंटेनेंस इंजीनियर प्रिंस कुमार, एनएच सब इंजीनियर धर्मेंद्र पंडित सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध मुरूम खनन से पहाड़ियों और प्राकृतिक सौंदर्य को नुकसान

इंदौर समाचार सेवकराम चौबे कसरावद। क्षेत्र में अवैध मुरूम खनन का कारोबार लगातार बढ़ता नजर आ रहा है। लोहारी क्षेत्र के समीप कोंडापुर में हरी-भरी पहाड़ियों को खोदकर बड़े पैमाने पर मुरूम निकाले जाने से प्राकृतिक सौंदर्य, पेड़-पौधों और पहाड़ी क्षेत्र को नुकसान पहुंचने की बात सामने आ रही है।

स्थानीय स्तर पर आरोप है कि खनन के नाम पर नियमों की अनदेखी कर मुरूम निकालकर उसे खेतों की भराई तथा कसरावद नगर और आसपास की कॉलोनियों में

मकानों एवं प्लॉटों के भराव में उपयोग किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार इस पूरे मामले में लोहारी निवासी जुल्फकार सहित कुछ लोगों की भूमिका होने की चर्चा है। हालांकि इन आरोपों की संबंधित विभाग द्वारा जांच किया जाना आवश्यक है। ग्रामीणों का कहना है कि रॉयल्टी के नाम पर महज खानापूर्ति कर वास्तविक खनन स्थल और निकाली जा रही मुरूम की मात्रा की जांच नहीं होने से अवैध गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है।

डंपरों की आवाजाही, पत्रकार को धमकाने का आरोप

इंदौर समाचार के संवाददाता द्वारा मौके की तस्वीरें कैमरे में कैद किए जाने पर पत्रकार को धमकाया गया यदि पत्रकार को धमकी दी गई है तो यह गंभीर मामला है और इसकी शासन प्रशासन द्वारा निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है।

जब वाहन की रॉयल्टी है तो मुरूम से भरे डंपरों के पीछे-पीछे सुरक्षा के लिए बोलेरो वाहन इस जुल्फकार द्वारा क्यों चलाया जाता है।

सुरक्षा गार्ड की अभिरक्षा में फल फूल रहा है अवैध कारोबार

सूत्रों से जानकारी है कि जिला खनिज अधिकारी के मौके पर पहुंचने से पहले ही कथित रूप से अधिकारी के सुरक्षा गार्ड के द्वारा इन माफियो को मैसेज काल के द्वारा सूचना दे दी जाती है। जिससे कार्रवाई से पहले वाहन और मशीनरी हटाने का अवसर मिल जाता है। इन आरोपो की भी प्रशासन एवं खनिज विभाग द्वारा जांच की जानी चाहिए।

पहाड़ियों के संरक्षण पर सवाल

कोंडापुर क्षेत्र की हरी-भरी पहाड़ियों को खोदकर मुरूम निकालने से प्राकृतिक स्वरूप प्रभावित हो रहा है। यदि बिना वैध अनुमति या निर्धारित सीमा से अधिक खनन किया जा रहा है तो इससे पर्यावरण को दीर्घकालीन नुकसान हो सकता है।

ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन एवं खनिज विभाग से मांग की है कि कोंडापुर सहित लोहारी और कसरावद के आसपास चल रहे मुरूम खनन की मौके पर पहुंचकर जांच, रॉयल्टी एवं अनुमति की जांच, खनन की मात्रा का सत्यापन तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

अब सवाल यह है कि प्राकृतिक संपदा को नुकसान पहुंचाने वाले इस कथित अवैध मुरूम खनन पर जिम्मेदार विभाग कब सख्त कार्रवाई करता है।

इनका कहना

जहां पर अवैध खनन चल रहा है विडियो फोटो लोकेशन डालना मोके पर जाकर कार्रवाई की जाएगी। शिव डोले के बाद गार्ड को भी हटाने की प्रक्रिया की जाएगी।

राकेश कनेरिया खनिज अधिकारी खरगोन